

मेरे श्याम पे तुम विस्वाश करो

मेरे श्याम पे तुम विस्वाश करो
विश्वाश कभी न हारा है
भगवान् तो हारते देखा है पर भगत कभी न हारा है

नरसी ने भरोसे के दम पर सब राजसी भेभव छोड़ा था
मीरा ने नारायण की खातिर हरी नाम से नाता जोड़ा था
भगतो के लिए बीत जाते प्रभु इतहास गवाह ये सारा है
मेरे श्याम पे तुम विस्वाश करो

विस्वाश की डगर कठिन है जरा हर कोई नहीं चल पाता है
भगतो के एक कदम के लिए सो कदम कन्हिया बडाता है
मजधार भी उसका क्या करले मजधार भी बनता किनारा है
मेरे श्याम पे तुम विस्वाश करो

मेरे श्याम को मोहित करने का सीधा सा सरल ये नुस्का है
श्रद्धा और प्रेम समर्पण का मेरे ठाकुर को बड़ा चस्का है
दुःख तकलीफे आये जितनी संकट खुद बनता सहारा है
मेरे श्याम पे तुम विस्वाश करो

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17693/title/mere-shyam-pe-tum-vishvash-karo>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |